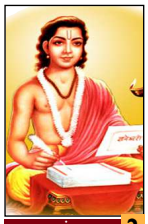

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 04 | अंकः 20 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, गुरुवार 22 जनवरी, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

मकर संक्रांति पर दान पुण्यः संस्कार सृजन संस्था ने बांटे तिल के लड्डू

जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर झलकी खुशी

जयपुर (संस्कार सृजन)

मकर संक्रांति का पर्व सूर्य देव को समर्पित होता है। इस दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इसे धार्मिक दृष्टि से खास महत्व दिया गया है, ऐसा माना जाता है कि इस दिन दान करने से न केवल पुण्य मिलता है बल्कि यह हमारे पापों को भी नष्ट करता है। दान के जरिए व्यक्ति स्वास्थ्य, समृद्धि और शांति प्राप्त कर सकता है। इसी कड़ी में 20 वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली चौमूं तहसील के सामोद रोड नीमड़ी, मोरीजा स्थित संस्कार सृजन संस्था द्वारा मकर संक्रांति पर जरूरतमंदों को तिल के लड्डू वितरित किए गए।

संस्था अध्यक्ष राम गोपाल सैनी ने बताया कि हमारी संस्था हमेशा जरूरतमंदों की सेवा में तत्पर रहती है। आज रावण गेट स्थित सुभाष सर्किल पर मौजूद जरूरतमंदों

को तिल के लड्डू वितरित किए गए। लड्डू खाकर सभी के चेहरे पर मीठी मुस्कान फैल गई। प्राणी मात्र की सेवा के लिए हम सभी को तैयार रहना चाहिए। जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ और पुण्यतिथि सहित विशेष दिवस पर हमेशा सामाजिक सरोकार के कार्य करने चाहिए, जिससे जरूरतमंद लोगों की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो सके।

संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष शेरसिंह खाकर सभी के चेहरे पर मीठी मुस्कान फैल गई। प्राणी मात्र की सेवा के लिए हम सभी को तैयार रहना चाहिए। जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ और पुण्यतिथि सहित विशेष दिवस पर हमेशा सामाजिक सरोकार के कार्य करने चाहिए, जिससे जरूरतमंद लोगों की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो सके।

शर्मा, मंत्री दिनेश कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष सुमित्रा देवी माली, संरक्षक प्रभाती लाल सैनी, पत्रकार दिनेश कुमावत, डॉ. सीताराम कुमावत, पूर्व सरपंच गोपाल डेनवाल, प्रवीण कुमावत, लोकेश डेनवाल, विजय कुमावत, मोहन सैनी, कैलाश केशवा, विनोद काकोडिया, जगदीश केशवा, बाबूलाल काकोडिया, कैलाश मेहता, तुलसीराम डेनवाल, पप्पू मेहता, घनश्याम यादव, भगवान सहाय यादव, सुरेश पलसानिया, मदन सेरावत, प्रद्युम्न कुमार सैनी, मोहन सैनी, रामेश्वरी देवी, श्याम लाल सैनी, प्रहलाद सैनी, लक्ष्मी नारायण सैनी, सुरेंद्र कुमार सैनी, किरण सैनी, कविता सैनी, कोमल सैनी, रजनीश सैनी, स्वाति सैनी, हार्दिक सैनी, भास्कर सैनी, स्मृति सैनी, सिद्धार्थ सैनी,विजयश्री सैनी सहित संस्था के सभी कार्यकर्ताओं और भामाशाहों का सहयोग रहा।

तनीषा कुलश्रेष्ठ फाउंडेशन ने नन्हे बच्चों को बांटे हेलमेट

जयपुर (संस्कार सृजन)। अक्सर देखने में आता है कि जो दोपहिया वाहन चालक होते हैं वो यात्रा में अपने बच्चे को हेलमेट नहीं पहनाते हैं जिससे चालक को तो खतरा होता ही है बल्कि बच्चे के लिए दुर्घटना के समय हेलमेट ना पहनना और भी ज्यादा खतरनाक होता है।

भारत में साल 2019-23 में दोपहिया वाहन एक्सीडेंट्स में लगभग 3.35 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई है। डेटा बताता है कि हर घंटे लगभग 8-9 दोपहिया चालक सड़क हादसे में मरते हैं, जो इस खतरे की गंभीरता को दर्शाता है।

इसी विषय को ध्यान में रखते हुए जयपुर के दम्पत्ति ने एक एन जी ओ शुरू करके एक अभियान शुरू किया है जिसमें छोटे बच्चों को अपने बड़ों के साथ दोपहिया वाहन पर चलते समय हेलमेट ज़रूर पहनने का प्रण करवाया है। प्रताप नगर, जयपुर के एल बी एस स्कूल कैम्पस में आयोजित कार्यक्रम में लगभग पचास बच्चों को हेलमेट पहनाकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री माया टण्डन और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा दिल्ली की अध्यक्ष शिप्रा कुलश्रेष्ठ विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहीं और सभी को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

समारोह के दौरान तनीषा कुलश्रेष्ठ फाउंडेशन के संस्थापक मुकुल और आयुषी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि Crown for Kids एक रोड सेफ्टी अवेयरनेस पहल है जो हमारे सबसे छोटे राइडर्स की सुरक्षा पर फोकस करती है। इस कैंपेन के तहत, 9 साल तक के बच्चों को हेलमेट बांटे गए। एल बी एस स्कूल के प्रिंसिपल अमित कुलश्रेष्ठ और आशीष कुलश्रेष्ठ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गुलाबी शाम सुरों के नाम संगीत संध्या में झूमे श्रोता

➦ सुकून सुर रागिनी एसएसआर ग्रुप ने आयोजित किया कार्यक्रम ➦ लाइव बैंड पर 35 सिंगर्स ने दी मधुर प्रस्तुतियाँ

जयपुर (संस्कार सृजन)

गुलाबी नगर जयपुर के झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सुकून सुर रागिनी एसएसआर ग्रुप द्वारा गुलाबी शाम सुरों के नाम संगीत संध्या का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया।

ग्रुप की डायरेक्टर और कार्यक्रम आयोजक नीरा राजबंशी ने बताया कि उभरते 35 गायक कलाकारों ने लाइव बैंड पर मधुर गानों की प्रस्तुतियां दी। मधुर तरानों को सुनने के लिए पूरा ऑडिटोरियम म्यूजिक लवर्स से खचाखच भरा हुआ था। कई गानों पर तो दर्शक झूमने को मजबूर हो गए।

समाजसेवी पोशिता बंसल,गौरक्षक दल अध्यक्ष शेर सिंह कुमावत सहित कई गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन एंकर जितेंद्र नाग ने किया।

वहीं नीरा राजबंशी ने बंसी वाले ने, संध्या टंडन ने दीवाना हुआ बादल, योगिता मेहरा ने रहे ना रहे हम, कुमुद निगम ने जरा होले होले, डॉक्टर कीर्ति माथुर ने ना तुम हमें जानो, रतन मियां बजाज और संतोष मियां बजाज ने याद किया दिल ने, अनुज गुप्ता ने ऐसे ने मुझे तुम देखो, एमएल मित्तल ने चलो एक बार, मुकुल कुलश्रेष्ठ और आयुषी कुलश्रेष्ठ ने आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, मोहित माथुर और रीता माथुर ने छुप गए सारे नजारे, नम्रता मेहता और देवेश बंसल ने आते-जाते हंसते गाते, अशोक पारीक ने ये शाम मस्तानी, नीलम अग्रवाल ने न जाने क्यों होता है, संजय खुटेटा ने जो तुमको हो पसंद, हंसराज राजोरिया ने एक हसीन शाम, एमएल छाबड़ा ने पल भर के लिए कोई, अनीता छाबड़ा ने किसलिए मैंने प्यार किया, हरिश खत्री ने लिखे जो खत तुझे, कर्नल डॉक्टर बीएल माथुर ने झुकी झुकी सी नजर, जितेंद्र नाग ने डम डम डिगा डिगा, मोहित माथुर-रीता माथुर ने जरा सा झूम लूं मैं, अशोक माथुर ने सुहानी चांदनी रातें, मुकुल कुलश्रेष्ठ आयुषी कुलश्रेष्ठ ने इस प्यार से मेरी तरफ ना देखो, आशुतोष माथुर ने आजकल याद, सीमा मुंजाल और डॉक्टर नीरज नगायच ने धीरे-धीरे चल, देवेश बंसल और नीलम ने जानेमन जानेमन, नीलम अग्रवाल ने अजीब दास्तां है ये, नीरा राजबंशी ने रात का समां झूमे चंद्रमा, देवेश बंसल ने पल-पल दिल के पास आदि गानों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026: डॉ. परिक्षित सिंह के सत्र में हिन्दुत्व पर हुई चर्चा

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के दरबार हाल में डॉ. परिक्षित सिंह के सत्र में हिन्दुत्व पर संवाद शैली में चर्चा हुई। इसमें डॉ. परिक्षित सिंह, नमिता दाविदयाल, शौनक ऋषि दास और पवन मितल ने अपने विचार प्रकट किये। इस अवसर पर डॉ. परिक्षित सिंह की पुस्तक लिटरेसी आफ जीनियस भागवत गीता तथा अपने पिता को समर्पित 60 कविताओं का संग्रह सत्या का विमोचन किया गया। कुछ जिज्ञासु श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर पर श्रोताओं ने तालियाँ बजा कर स्वागत किया।

संस्कार सृजन समाचार पत्र

की ओर से

सभी देशवाशियों को

बसंत पंचमी और गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएँ !

संपादकीय

नितिन नवीन के लिए बड़ी चुनौती

हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए नितिन नबीन के पूर्णकालिक अध्यक्ष बनने के साथ ही पार्टी में नए और बड़े बदलाव की शुरुआत हो जाएगी। नितिन नबीन बीजेपी के न केवल सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे बल्कि वह पार्टी के पहले ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे जिनका जन्म पार्टी की स्थापना के बाद हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख जारी हो गई है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाए गए डॉ के.लक्ष्मण ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। संगठन पर्व - 2024 के तहत जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक, पार्टी ने शुक्रवार को ही निर्वाचक मंडल सूची का प्रकाशन कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया 19 जनवरी से शुरू हो गई थी। 19 जनवरी को ही दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किया था। इसी दिन शाम को 4 से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की गई। शाम 5 से 6 बजे तक नाम वापस लिया जा सकता है। अगर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए एक से अधिक नेता नामांकन भरेंगे तो 20 जनवरी को चुनाव करवाया जाएगा। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए बीजेपी में कभी भी चुनाव की नौबत नहीं आई है। इसलिए यह तय माना जा रहा है कि 20 जनवरी को सर्वसम्मति से पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन के चुने जाने का ऐलान कर दिया जाएगा।हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए नितिन नबीन के पूर्णकालिक अध्यक्ष बनने के साथ ही पार्टी में नए और बड़े बदलाव की शुरुआत हो जाएगी। नितिन नबीन बीजेपी के न केवल सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे बल्कि वह पार्टी के पहले ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे जिनका जन्म पार्टी की स्थापना के बाद हुआ है। बीजेपी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी जबकि नितिन नबीन का जन्म इसके 47 दिन बाद 23 मई 1980 को हुआ था। ऐसे में अब बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह साबित करने की भी है कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताजपोशी सिर्फ प्रतीकात्मक बदलाव का पर्याय भर बन कर न रह जाए। वहीं नई बीजेपी में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका दिया जाना बहुत जरूरी है।यही वजह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बिहार से आने वाले इन युवा नेता के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी टीम का गठन करना होगा। पार्टी संविधान के मुताबिक, पार्टी में सर्वोच्च फैसला लेने वाली इकाई पार्टी का संसदीय बोर्ड है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति का नंबर आता है जो चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन करता है। फिलहाल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष जेपी नड्डा है लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाने के बाद नितिन नबीन ही पार्टी का फैसला लेने वाले इस सर्वोच्च इकाई के अध्यक्ष होंगे। वर्तमान में नड्डा के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बी एस येदियुरप्पा, सर्बानंद सोनोवाल, के.लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव और सत्यनारायण जटिया संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष संसदीय बोर्ड के सचिव के तौर पर इसमें शामिल हैं। इनमें से बीएल संतोष को छोड़कर बाकी सभी नेता 60 से ज्यादा उम्र के हैं। संसदीय बोर्ड के ये सारे सदस्य पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के भी सदस्य हैं। संसदीय बोर्ड में शामिल इन 11 नेताओं के अलावा भूपेन्द्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, और वनथी श्रीनिवासन केंद्रीय चुनाव समिति में शामिल हैं। सरकार के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नितिन नबीन की अध्यक्षता वाले पार्टी के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति दोनों में ही शामिल रहेंगे। वहीं सरकार और पार्टी के अहम नेता के तौर पर अमित शाह भी इन दोनों समितियों का हिस्सा रहेंगे। लेकिन युवा नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी देने के लक्ष्य और नई बीजेपी के गठन के लिए कई दिग्गज नेताओं को इससे बाहर जाना ही पड़ेगा। इन दोनों समितियों का पुनर्गठन करने के बाद पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन को अपनी राष्ट्रीय टीम - यानी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों, राष्ट्रीय महासचिवों, राष्ट्रीय सचिवों और राष्ट्रीय प्रवक्ताओं के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों , समितियों और विभागों के मुखियाओं की भी नियुक्ति करनी पड़ेगी। यह बात तो साफ है कि ये सारे फैसले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सहमति से ही लिए जाएंगे। हालांकि राजनाथ सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया जैसे नेताओं के बारे में अंतिम फैसला करने से पहले संघ से भी चर्चा की जाएगी।

रथ सप्तमी 2026: माघ मास में रथ पर सवार हुए सूर्य, आदित्य क्यों हुआ नाम

रथ सप्तमी से जुड़ी एक पौराणिक कथा है। यह कथा कहती है, जब सूर्य देव को खड़े-खड़े काफी लंबा समय बीत गया, तो उनके पांव दुखने लगे। उन्होंने भगवान विष्णु के सामने अपनी समस्या रखी। श्रीहरि ने सूर्य देव की समस्या को दूर करने के लिए उन्हें हीरे जड़ित एक स्वर्ण रथ दिया। इस रथ के सारथि अरुण देव थे। जिस दिन यह रथ सूर्य को मिला, उस दिन माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। इस दिन इस रथ पर सूर्य के विराजमान होने के कारण इसे 'रथ सप्तमी' कहा गया।सूर्य के रथ में सात घोड़े होने के कारण भी इसे 'रथ सप्तमी' कहा जाता है। सूर्य के रथ में- 'गायत्री', 'भ्राति', 'उष्निक', 'जगती', 'त्रिस्तप', 'अनुस्तप' और 'पंक्ति' नाम के सात घोड़े हैं। ये सात घोड़े सप्ताह के सात दिनों, सात किरणों के प्रतीक हैं। सूर्य के रथ का पहिया संवत्सर वर्ष और उसमें लगी बारह तीलियां बारह महीनों को दर्शाती हैं। इस बार रथ सप्तमी का रविवार के दिन होने के कारण विशेष महत्व है। इसके अलावा इस तिथि को 'माघ सप्तमी', 'अचला सप्तमी', 'आरोग्य सप्तमी', 'विधान सप्तमी' आदि नाम से भी जाना जाता है।मार्कंडेय पुराण के अनुसार पहले संपूर्ण विश्व में अंधेरा था। उस अंधकार में ही ब्रह्मा कमलयोनि से प्रकट हुए और उनके मुख से सबसे पहले 'ओम्' शब्द का उच्चारण हुआ। यह ओम् सूर्य के तेज का ही सूक्ष्म रूप था। इसके पश्चात ब्रह्मा के मुख से चारों वेद प्रकट हुए। यह चारों वेद ओम् के तेज में समा गए। आकाश में दिखाई देने वाला सूर्य इसी ओम् का स्थूल रूप है। सूर्य का यह तेज इतना प्रचंड था कि सृष्टि के भस्म होने का डर था, इसलिए ब्रह्म की प्रार्थना पर सूर्य देव ने अपने तेज को कम कर लिया। सूर्य के प्रकट होने पर संपूर्ण विश्व का अंधकार ही नहीं मिटा, बल्कि सृष्टि में जीवन का संचार भी हुआ। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को आत्मा का कारक और नव ग्रहों का राजा माना गया है। व्यवस्था के संचालन में इसे राजा यानी राष्ट्र प्रमुख और उच्च अधिकारी का दर्जा प्राप्त है। संबंधों के निर्वहन में इसे पिता माना गया है।सूर्य के जन्म के संबंध में एक अन्य कथा है। इस कथा में बताया गया है कि किस प्रकार सूर्य का नाम 'आदित्य' हुआ। सृष्टि उत्पत्ति के समय कश्यप ऋषि की पत्नी अदिति ने कठोर तप करके भगवान सूर्य को प्रसन्न किया और वरदान मांगा कि वे उनके पुत्र रूप में जन्म लें। सूर्य ने उन्हें यह वरदान दे दिया और अपनी सात किरणों में से एक 'सुषुम्ना' किरण द्वारा उनके गर्भ में प्रवेश किया। अदिति के गर्भ से जब सूर्य का जन्म हुआ, उस दिन माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। अदिति के गर्भ से जन्म लेने कारण सूर्य का नाम 'आदित्य' हुआ।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 11.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

प्रिंस इन्टरनेशनल स्कूल की Pre-Foundation परीक्षा का हुआ भव्य आयोजन, हजारों स्टूडेंट्स ने लिया भाग

चौमूं (संस्कार सृजन)। प्रिंस इन्टरनेशनल स्कूल द्वारा Pre-Foundation परीक्षा का भव्य आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव को मजबूत करना तथा उनमें प्रतियोगी भावना का विकास करना रहा।

Pre-Foundation परीक्षा के आयोजन को लेकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। परीक्षा को सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने हेतु विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई। परीक्षा केंद्र पर अनुशासन, समयबद्धता एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया।

स्कूल निदेशक कैलाश चौधरी और प्रबंधक अभिषेक कुमार ने बताया कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सहायक होती हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उनकी बौद्धिक क्षमता का सही मूल्यांकन संभव हो पाता है।

परीक्षा के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अभिभावकों ने भी विद्यालय द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रबंधन एवं शैक्षणिक प्रयासों की सराहना की।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मार्गदर्शन मिल सके।

वरिष्ठ पत्रकार आशा पटेल को मिलेगा राज्यस्तरीय सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार आशा पटेल को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी 2026 को श्री श्याम राय भटनागर पत्रकारिता साहित्य शोध संस्थान द्वारा पत्रकारिता, साहित्य एवं लेखन की विविध विधाओं में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह राजस्थान की राजधानी जयपुर मे आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर कवि सम्मेलन भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि इकराम राजस्थानी, बनज कुमार बनज,गोविंद भारद्वाज, ममता मंजुला, जुल्फिकार नसीराबादी, नवनीत राय रुचिर कविता पाठ करेंगे।

सम्मानित होने वाले पत्रकार एवं साहित्यकार लक्ष्मण बोलिया, बालमुकुंद ओझा, फारूक अफरीदी, आशा पटेल को राजस्थान साहित्य- पत्रकारिता सम्मान से नवाजा जाएगा।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में नंद भारद्वाज,राजाराम भादू, पवन अरोड़ा,गोपाल शर्मा विधायक,राजीव अरोड़ा,साहित्य शोध संस्थान के सचिव आभास भटनागर शिरकत करेंगे। कार्य म पिंक सिटी प्रेस क्लब सभागार, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर में 25 जनवरी 2026 रविवार के दिन शाम 4 बजे से आयोजित किया जाएगा।

इस साहित्य समारोह में मंच संचालन मणिमला शर्मा द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक अशोक भटनागर राष्ट्रध्वज ने बताया कि समारोह में राज्य भर से साहित्यकार, कवि, लेखक एवं पत्रकारो को आमंत्रित किया गया है।

वीर हनुमान जी मंदिर में विकास कार्यों के मिली 7.89 करोड़ रुपए की स्वीकृति,पूर्व विधायक शर्मा ने जताया आभार

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा चौमूं क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री वीर हनुमान जी मंदिर, सामोद में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार हेतु प्राधिकरण ने मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों (द्वितीय चरण) के लिए 7,89,59,686 रूपयों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता राजस्थान एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का आभार व्यक्त किया।

जेडीए द्वारा मंदिर परिसर में किचन ब्लॉक निर्माण कार्य हेतु 3.60 करोड़, किचन ट्रस्ट हेतु 65 लाख रुपए, भव्य मुख्य द्वार और मंदिर तक पहुँचने के लिए व्यवस्थित पैदल मार्ग निर्माण हेतु 1.68 करोड़ रुपए एवं अन्य विविध कार्य हेतु 1.96 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए है।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि जेडीए द्वारा पीडब्ल्यूसी की मीटिंग में 7.89 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है तथा जेडीए द्वारा प्रथम चरण में 9.15 करोड़ रूपये की स्वीकृति जारी की थी। उक्त निर्माण कार्य से श्रद्धालुओं के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी। इस विकास कार्य से सामोद क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और धार्मिक स्थल पर आने वाले यात्रियों को सुगम अनुभव प्राप्त होगा।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- करियर या कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा। आय में बढ़ोत्तरी होगी। किसी भी लालच या बहकावे में ना आएं। कोई भी निर्णय सोच-समझ कर लें। साथ ही हर रोज पक्षियों को दाना खिलाएं और पूजा में हनुमान चालीसा का पाठ करना शुभ फलदायी होगा।

वृषभ- आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। रुके हुए पैसे मिल सकते हैं। रिश्तों में मधुरता रहेगी, लेकिन स्वास्थ्य को नजरअंदाज ना करें। लव लाइफ अच्छी रहेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको सफेद चंदन लगाने की सलाह दी जाती है और पूजा में श्री सूक्त का पाठ करें।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों के लिए समय अनुकूल है। कारोबार में खूब तरक्की हो सकती है। आपकी प्रशंसा खूब होगी। लंबे से समय चला आ रहे कानूनी मामले हल होंगे। बेकार खर्चों से भी निजात मिलेगी। कुल मिलाकर यह समय आपके लिए शुभ साबित हो सकता है।

कर्क- आप मानसिक तनाव का सामना कर सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है। ट्रेडिंग या स्टॉक मार्केट में सफलता मिलेगी। साथ ही आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। दोस्ती प्रेम में बदल सकती है। विवाहित लोगों को संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। आप शिव जी की पूजा करें ।

सिंह- कई चुनौतियों का सामना करना पड़ गा । कार्य में अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रही है। धन निवेश के योग बन रह हैं। परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर सकते हैं। प्रेम संबंध में पनप रही गलतफहमियां दूर होंगी। आपको सूर्य की उपासना करनी चाहिए। इसके साथ ही आदित्य स्त्रोत का पाठ करें।

कन्या- काम में सफलता मिलेगी, लेकिन बीच में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। ऑफिस में विरोधी आपको भटकाने की कोशिश कर सकते हैं। सेहत थोड़ी कमजोर रह सकती है। पढ़ाई में मन कम लगेगा। प्रेम जीवन में नोकझोंक रहेगी, लेकिन शादीशुदा जीवन संतुलित रहेगा। आप गणेश जी की पूजा करें ।

तुला- कारोबार और करियर में खूब लाभ मिलेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी। छोटी-मोटी यात्रा पर भी जा सकते हैं। नए लोगों के संपर्क में आएंगे। घर में किसी प्रिय का आगमन होगा। लव लाइफ अच्छी बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

वृश्चिक- काम के सिलसिले में कई यात्राएं करनी पड़ सकती है। आपकी आर्थिक ताकत बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम संबंध में पार्टनर के साथ करीबियां बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए काफी अच्छा समय रहेगा। रोज हनुमान चालीसा के पाठ करें ।

धनु- करियर और कारोबार से जुड़े मामलों में सावधानी बरतनी होगी। हेल्थ को लेकर सतर्क रहें। पेट संबंधी समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अपने जूनियर और सीनियर के साथ तालमेल बिठाकर चलना उचित रहेगा। अपनों के संग वाद-विवाद होने की आशंका है।

मकर- मनचाहा करियर प्राप्त हो सकता है। कारोबार में तरक्की होगी। छात्रों को उनकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नए अवसर की प्राप्ति होगी। आपको भूमि-भवन और वाहन आदि का सुख प्राप्त होगा। जीवन साथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। शिव जी की पूजा करें ।

कुंभ- जल्दबाजी में कोई काम न करें अन्यथा बनता काम भी बिगड़ सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपके काम को बिगाड़ने की कोशिश में रहेंगे। वाणी पर संयम रखें। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। जीवनसाथी की सेहत को लेकर मन चिंतित रह सकता है।

मीन- करियर और कारोबार में खूब बढ़ोतरी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। लंबी-छोटी यात्राओं पर जा सकते हैं। धन में वृद्धि होगी। परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा प्रेम संबंध मधुर बने रहेंगे। रोज आप सूर्य की उपासना करें ।

(कहानी) अभागा

प्रभाती लाल सैनी

एक नगर में हरिराम नाम का जुलाहा रहता था। विविध प्रकार के रंगीन और सुन्दर वस्त्र बनाने के बाद भी उसे भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन कभी प्राप्त नहीं होता था । अन्य जुलाहे मोटा-सादा कपड़ा बुनते हुए धनी हो गये थे । उन्हें देखकर एक दिन हरिराम ने अपनी पत्नी से कहा-प्रिये ! देखो, मामूली कपड़ा बुनने वाले जुलाहों ने भी कितना धन-वैभव संचित कर लिया है और मैं इतने सुन्दर, उत्कृष्ट वस्त्र बनाते हुए भी आज तक निर्धन ही हूँ । प्रतीत होता है यह स्थान मेरे लिये भाग्यशाली नहीं है; अतः विदेश जाकर धनोपार्जन करुँगा ।

हरिराम की पत्नी ने कहा- प्रियतम ! विदेश में धनोपार्जन की कल्पना मिथ्या स्वप्न से अधिक नहीं । धन की प्राप्ति होनी हो तो स्वदेश में ही हो जाती है । न होनी हो तो हथेली में आया धन भी नष्ट हो जाता है । अतः यहीं रहकर व्यवसाय करते रहो, भाग्य में लिखा होगा तो यहीं धन की वर्षा हो जायगी ।

हरिराम - भाग्य-अभाग्य की बातें तो कायर लोग करते हैं । लक्ष्मी उद्योगी और पुरुषार्थी शेर-नर को ही प्राप्त होती है । शेर को भी अपने भोजन के लिये उद्यम करना पड़ता है । मैं भी उद्यम करुँगा; विदेश जाकर धन-संचय का यत्न करुँगा।

यह कहकर हरिराम वर्धमानपुर चला गया । वहाँ तीन वर्षों में अपने कौशल से 300 सोने की मुहरें लेकर वह घर की ओर चल दिया । रास्ता लम्बा था । आधे रास्ते में ही दिन ढल गया, शाम हो गई । आस-पास कोई घर नहीं था । एक मोटे वृक्ष की शाखा के ऊपर चढ़कर रात बिताई । सोते-सोते स्वप्न आया कि दो भयंकर आकृति के पुरुष आपस में बात कर रहे हैं । एक ने कहा - हे पौरुष ! तुझे क्या मालूम नहीं है कि हरिराम के पास भोजन-वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता; तब तूने इसे 300 मुहरें क्यों दीं ? दूसरा बोला- हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक पुरुषार्थी को एक बार उसका फल दूंगा ही । उसे उसके पास रहने देना या नहीं रहने देना तेरे अधीन है ।

स्वप्न के बाद हरिराम की नींद खुली तो देखा कि मुहरों का पात्र खाली था । इतने कष्टों से संचित धन के इस तरह लुप्त हो जाने से हरिराम बड़ा दुःखी हुआ, और सोचने लगा-अपनी पत्नी को कौनसा मुख दिखाऊँगा, मित्र क्या कहेंगे ? यह सोचकर वह फिर वर्धमानपुर को ही वापिस आ गया । वहाँ दित-रात घोर परिश्रम करके उसने वर्ष भर में ही 500 मुहरें जमा करलीं । उन्हें लेकर वह घर की ओर जा रहा था कि फिर आधे रास्ते में रात पड़ गई । इस बार वह सोने के लिये ठहरा नहीं; चलता ही गया । किन्तु चलते-चलते ही उसने फिर उन दोनों - पौरुष और भाग्य-को पहले की तरह बात-चीत करते सुना । भाग्य ने फिर वही बात कही कि-हे पौरुष ! क्या तुझे मालूम नहीं कि हरिराम के पास भोजन वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता । तब, उसे तूने 500 मुहरें क्यों दीं ? पौरुष ने वही उत्तर दिया -हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक व्यवसायी को एक बार उसका फल दूंगा ही, इससे आगे तेरे अधीन है कि उसके पास रहने दे या छीन ले । इस बात-चीत के बाद हरिराम ने जब अपनी मुहरों वाली गठरी देखी तो वह मुहरों से खाली थी ।

इस तरह दो बार खाली हाथ होकर हरिराम का मन बहुत दुःखी हुआ । उसने सोचा-इस धन-हीन जीवन से तो मृत्यु ही अच्छी है । आज इस वृक्ष की टहनी से रस्सी बाँधकर उस पर लटक जाता हूँ और यहीं प्राण दे देता हूँ ।

गले में फन्दा लगा, उसे टहनी से बाँधकर जब वह लटकने ही वाला था कि उसे आकाश-वाणी हुई - हरिराम ! ऐसा दुःसाहस मत कर । मैंने ही तेरा धन चुराया है । तेरे भाग्य में भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन का उपभोग नहीं लिखा । व्यर्थ के धन-संचय में अपनी शक्तियाँ नष्ट मत कर । घर जाकर सुख से रह । तेरे साहस से तो मैं प्रसन्न हूँ ; तू चाहे तो एक वरदान माँग ले । मैं तेरी इच्छा पूरी करुँगा ।

हरिराम ने कहा -मुझे वरदान में प्रचुर धन दे दो । अदृष्ट देवता ने उत्तर दिया-धन का क्या उपयोग ? तेरे भाग्य में उसका उपभोग नहीं है । भोग-रहित धन को लेकर क्या करेगा ?

हरिराम तो धन का भूखा था, बोला-भोग हो या न हो, मुझे धन ही चाहिये । बिना उपयोग या उपभोग के भी धन कि बड़ी महिमा है । संसार में वही पूज्य माना जाता है, जिसके पास धन का संचय हो । कृपण और अकुलीन भी समाज में आदर पाते हैं ।

हरिराम की बात सुनने के बाद देवता ने कहा -यदि यही बात है, धन की इच्छा इतनी ही प्रबल है तो तू फिर वर्धमानपुर चला जा । वहां दो बनियों के पुत्र हैं; एक गुप्तधन, दूसरा उपभुक्त धन । इन दोनों प्रकार के धनों का स्वरुप जानकर तू किसी एक का वरदान मांगना । यदि तू उपभोग की योग्यता के बिना धन चाहेगा तो तुझे गुप्त धन दे दूंगा और यदि खर्च के लिये धन चाहेगा तो उपभुक्त धन दे दूंगा । यह कहकर वह देवता लुप्त हो गया ।

हरिराम उसके आदेशानुसार फिर वर्धमानपुर पहुँचा । शाम हो गई थी । पूछता-पूछता वह गुप्तधन के घर पर चला गया । घर पर उसका किसी ने सत्कार नहीं किया । इसके विपरीत उसे भला-बुरा कहकर गुप्तधन और उसकी पत्नी ने घर से बाहिर धकेलना चाहा। किन्तु, हरिराम भी अपने संकल्प का पक्का था। सब के विरुद्ध होते हुए भी वह घर में घुसकर जा बैठा। भोजन के समय उसे गुप्तधन ने रुखीसूखी रोटी दे दी । उसे खाकर वह वहीं सो गया । स्वप्न में उसने फिर वही दोनों देव देखे । वे बातें कर रहे थे । एक कह रहा था - हे पौरुष ! तूने गुप्तधन को भोग्य से इतना अधिक धन क्यों दे दिया कि उसने हरिराम को भी रोटी दे दी । पौरुष ने उत्तर दिया-मेरा इसमें दोष नहीं । मुझे पुरुष के हाथों धर्म-पालन करवाना ही है, उसका फल देना तेरे अधीन है ।

दूसरे दिन गुप्तधन पेचिश से बीमार हो गया और उसे उपवास करना पड़ा । इस तरह उसकी क्षतिपूर्ति हो गई ।

हरिराम अगले दिन सुबह उपभुक्त धन के घर गया । वहां उसने भोजनादि द्वारा उसका सत्कार किया । सोने के लिये सुन्दर शय्या भी दी । सोते-सोते उसने फिर सुना; वही दोनों देव बातें कर रहे थे । एक कह रहा था -हे पौरुष ! इसने हरिराम का सत्कार करते हुए बहुत धन व्यय कर दिया है। अब इसकी क्षतिपूर्ति कैसे होगी ?

दूसरे ने कहा -हे भाग्य ! सत्कार के लिये धन व्यय करवाना मेरा धर्म था, इसका फल देना तेरे अधीन है ।

सुबह होने पर हरिराम ने देखा कि राज-दरबार से एक राज-पुरुष राज-प्रसाद के रुप में धन की भेंट लाकर उपभुक्त धन को दे रहा था।

यह देखकर हरिराम ने विचार किया कि यह संचय-रहित उपभुक्त धन ही गुप्तधन से श्रेष्ठ है। जिस धन का दान कर दिया जाय या सत्कार्यों में व्यय कर दिया जाय वह धन संचित धन की अपेक्षा बहुत अच्छा होता है।

वसंतोत्सव (कविता)

वासन्ती ऋतु में मन भ्रमर सम गुंजन करे,
सुमन की सुगंध देखो पवन संग नृत्य करे।
कल कल करती सरिता भी अवनी को मगन करे,
नभ मे खग चहचहाये स्वच्छन्द हो विचरण करे।
पर्वत निहारता सागर को झुक झुक कैसे नमन करे,
तरुवर के पर्णन संग पवन मदमस्त हो सरर सरर करे।
झूम उठी टहनियां भी कलियों संग मिलन करे,
मदमाती तितलियां अब सौरभ की खोज करे।
फूल खिलते चहुँ ओर है सुगन्धि भी अब गमन करे,
गगन भी अब चांद तारों संग धरती को नमन करे।
वासन्ती उत्सव आयो है सुन्दर सी प्रकृति में,
मन देखो भ्रमर बन मृदु वाणी में गुंजन करे।
ऋतु बसंत में माँ सरस्वती भी प्रगट हो धरती पर अवतरण करे।
शारदे के वंदन अभिनंदन को चित्त शांत हो काव्य सृजन करे।
धवल वस्त्र धारणी के श्री चरणों में मन प्राण श्रद्धा से नमन करे।
श्वेत पद्मासना के आदर में शब्द कविता बन साहित्य सृजन करें।
वासंती फूलों संग शब्द सुमन भी प्रकृति को सुरभित सुगंधित करे।
बसंतोत्सव में शारदे आगमन का जल थल नभ स्वागत अभिनंदन करें।

राजेन्द्र आचार्य राजन, भवानीमंडी

माली समाज भवन निर्माण समिति की आम सभा 24 जनवरी को

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के बस स्टैंड, रींगस रोड स्थित माली समाज भवन निर्माण समिति चौमूं की कार्यकारिणी एवं संरक्षक मंडल की आवश्यक मीटिंग का आयोजन सैनी समाज सभा भवन में अध्यक्ष जयनारायण चाँदोलिया की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में निर्णय लिया कि चौमूं सैनी समाज की 9 पंचायत की आमसभा 24 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे सैनी समाज भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश नारायण बेनाडिया, माली समाज विकास समिति अध्यक्ष हीरालाल पांच्या, पूर्व अध्यक्ष गोविंद नारायण सैनी, राधेश्याम तंवर, मदनलाल सतरावला, घीसालाल तंवर, उपाध्यक्ष मोहरी लाल चाँदोलिया, राम प्रकाश रौंड़ी, बाबूलाल भभेया, हरि नारायण बागड़ी, मंत्री श्रवण रौंड़ी, कोषाध्यक्ष छीतरमलमल बबेरवाल, मदनलाल बागड़ी, डॉक्टर मान प्रकाश सैनी, कन्हैयालाल जादम, नाथूलाल बिज्ञालिया,भंवरलाल पापटवान, दिनेश कुमार पांच्या, गोपाल कटारिया, मदनलाल जादम सहित कई समाज बंधु मौजूद रहे।

श्री साईं बाबा के 15वें पाटोत्सव के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं तहसील में श्री साईं बाबा के 15वें पाटोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में उत्सव के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, साईं भक्तों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

पोस्टर विमोचन के दौरान साईं मंदिर महंत आर्मी रिटायर्ड कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने बताया कि यह भव्य धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उत्सव के अंतर्गत साईं बाबा की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, प्रसादी वितरण एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि साईं बाबा का संदेश सबका मालिक एक आज भी समाज को एकता और सेवा की प्रेरणा देता है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

पोस्टर विमोचन के दौरान मंगलम मोटर्स के मंगल सैनी, भजनलाल यादव, शीशपाल यादव, रोहित जाखड़, सुरेंद्र जाखड़, नाथू जाखड़, पप्पू जाखड़, कन्हैयालाल गोरा, जितेंद्र सिंह नाथावत, वि म सिंह नाथावत, वंशिका नाथावत, दिनेश कुमार सैनी मौजूद रहे।

यूईएम में तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)

शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेशन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर में प्रदेश भर से आए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को संबोधित किया एवं उनसे संवाद किया। इस कार्यशाला में कुल 326 सीबीईओ शामिल हुए, जो मूल्य-आधारित एवं समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति राजस्थान सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री ने सहानुभूति, ईमानदारी, जिम्मेदारी, सामंजस्य एवं नैतिक आचरण जैसे मानवीय मूल्यों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समाहित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता और कौशल विकास तक सीमित न रहकर सामाजिक रूप से जिम्मेदार, नैतिक रूप से सुदृढ़ एवं संवेदनशील नागरिकों के निर्माण का माध्यम बननी चाहिए। संवादात्मक सत्र के दौरान सीबीईओ को जमीनी स्तर पर मूल्य-आधारित शिक्षा के क्रियान्वयन से जुड़े अपने अनुभव, चुनौतियाँ एवं सुझाव साझा

करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और एक अच्छे मानव बनने के महत्व तथा नैतिक मूल्यों के संवर्धन में शैक्षणिक नेतृत्व की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मंच पर सतीश गुप्ता, ओएसडी (शिक्षा), प्रो. एच. डी. चरण, पूर्व कुलपति, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, तथा मोती चंद यादव, सचिव, यूएचवी टीम भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, कुलसचिव, यूईएम जयपुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुकेश यादव, एसोसिएट डीन (अकादमिक्स), यूईएम जयपुर के मार्गदर्शन में किया गया।

जल्द रिलीज़ होगी राजस्थानी फिल्म हमारी बेटियां

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थानी भाषा में बनी फीचर फिल्म हमारी बेटियां की एडिटिंग, डबिंग और बैक ग्राउंड म्यूजिक का काम पूरा हो चुका है। जल्द ही देश-प्रदेश के सिनेमाघरों में इस फिल्म को रिलीज़ किया जाएगा।

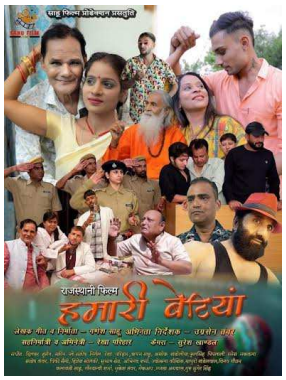

अभिनेता और निर्देशक उग्रसेन तंवर ने बताया कि फिल्म में मुख्य भूमिका में रेखा परिहार, ऋषभ साहू, अशोक खडोलिया, हितेश सोलंकी, अभिनव शर्मा, सनाया सैनी, ज्योत्सना कौशिक, विनय गौतम, गौरान्वी शर्मा, कलावती साहू, माधुरी खंडेलवाल, श्याम दिल्लीवाल, संतोष कंवर, सुभाष सेठ, मुकेश तंवर और मेहमान कलाकार यूट्यूबर रोशन यादव, दीपक सिंह, विनोद शर्मा बरना, बलवंत व्यायाम शाला के गुरु सुमेर सिंह राठौड़, भगत सिंह आदि नजर आएँगे। फिल्म में गाने दिलबर हुसैन और रेखा परिहार ने गाए हैं। मेकअप ममता अग्रवाल, स्क्रीन प्ले स्व.संतोष निर्मल, फिल्म की फोटोग्राफी सुरेश खांडल, कोरियोग्राफी पण्डित राजेन्द्र राव, रेखा परिहार की है। फिल्म के निर्माता, लेखक, गीतकार गणेश साहू हैं।

जयपुर जिले में 23 जनवरी से ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्राम उत्थान शिविर

जयपुर (संस्कार सृजन)

राज्य सरकार द्वारा ग्राम-2026 (ग्लोबल राजस्थान एग्री-टेक मीट-2026) की तैयारियों एवं ग्रामीण उत्थान को गति देने के उद्देश्य से जयपुर जिले के गिरदावर सर्किल की समस्त ग्राम पंचायतों में एक दिवसीय विशेष ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का शुभारम्भ 23 जनवरी, 2026 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर किया जाएगा।

शिविरों का आयोजन 23 जनवरी से प्रारम्भ होकर 24, 25 एवं 31 जनवरी तथा 1 एवं 5 से 9 फरवरी, 2026 तक कुल 10 दिवसों में किया जाएगा। प्रत्येक गिरदावर वृत पर ये शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा ग्राम-2026 की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में आयोजित इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता रहेगी। शिविरों के माध्यम से कृषकों, पशुपालकों एवं ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही स्वीकृतियां जारी की जाएंगी।

शिविरों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए 22 जनवरी, 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों की समन्वय बैठक आयोजित की गई।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी संबंधित विभागों के क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे गिरदावर सर्किल की समस्त ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

चौमूं माधव बस्ती में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के माधव बस्ती के तत्वावधान में पुरोहितों का मोहल्ला स्थित विवेकानंद पार्क में भव्य विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य बौद्धिक कर्ता के रूप में प्रांत गौ सेवा प्रमुख मोहन सिंह मौजूद रहे। सागर पुरी महाराज एवं साध्वी समदर्शी गिरी महाराज का विशेष सानिध्य श्रद्धालुओं को मिला ।

सम्मेलन के आयोजक शिक्षाविद हजारी लाल शर्मा समिति अध्यक्ष एवं दीनदयाल पारीक संरक्षक के सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इसके बाद हनुमान चालीसा का संगीतमय सामूहिक पाठ, 'पंच परिवर्तन' नाट्य का मंचन, अखंड भारत माता की महाआरती एवं दीपदान किया गया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, गौ-सेवा और सनातन संस्कारों का प्रचार-प्रसार करना रहा। सम्मेलन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदू संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना,

सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश देना और सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष हजारीलाल शर्मा ने हुए अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। मंच संचालन अशोक पारीक ने किया ।

इस मौके पर पूर्व विधायक रामलाल लाल शर्मा, पूर्व चैयरमेन आशीष दुसाद, कृष्ण मुरारी पारीक, महेश हवेलीवाला, मुरलीधर अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, केदार अग्रवाल, जिला प्रचारक कृष्ण अवतार, हेमंत भातरा, एडवोकेट मनुवत्सल, उमेश शर्मा, कमल भातरा, बनवारी लाल भातरा, संदीप भातरा, पूर्व पार्षद धर्मेंद्र गवारिया, संदीप कुमावत, वैद्य महेश चन्द्र शर्मा, ओम प्रकाश कुमावत, योगेंद्र पाराशर, उमेश जाखोटिया, राम बिहारी वशिष्ठ, कैलाश बालम, विक्रम जोधा, नवल राठोर, सुरेंद्र यादव, रामबाबू ज्योतिषी, पिंटू अग्रवाल, राजेश बारी, सुजीत कुमावत, महेश मीणा, संतोष सिंह निर्माण सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वर्गीय भास्कर सोरेला की 11वीं पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

जयपुर (संस्कार सृजन)। स्वर्गीय भास्कर सोरेला की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का ममता ब्लड बैंक जयपुर रोड चौमूं में आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा की यह पुण्यतिथि न केवल उनके जीवन की स्मृति को ताजा करने का अवसर थी, बल्कि रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने का एक नेक संकल्प भी था। शिविर में उत्साही रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 53 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय भास्कर सोरेला की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने उनके जीवन मूल्यों, समाजसेवा की भावना और परिवार के प्रति समर्पण को याद किया।इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन यादव ने कहा की

उनकी पुण्य स्मृति सदैव हम सबको सेवा, करुणा और मानवता के पथ पर प्रेरित करती रहे। रक्तदान महादान है रक्त की एक बूंद कई जिंदगियां बचा सकती है।

इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी,पार्षद गजेंद्र भोमाका,किशोर गंगवाल,अभिषेक सोरेला,आलोक जांगिड,योगेश यादव,मोहन लाल जलुथरिया,मुकेश यादव,शैलेन्द्र यादव,कालू सारण,राहुल बिवाल,वाजिद कुरैशी,पंकज गोठवाल,नवीन गोठवाल,नितिन गोठवाल,आशीष गोठवाल आदि उपस्थित रहे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी